

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र
उत्तर संकेत
संकलित परीक्षा (द्वितीय) 2015-16
हिंदी - 'अ'
कक्षा - दसवीं
खंड - 'क'
(अपठित बोध)

1. अपठित गद्यांश 1x5=5
 - i) क) - दान ।
 - ii) ख) - जो हमें प्राप्त हो ।
 - iii) ग) - हमारे मन में जब संतोष आ जाए ।
 - iv) घ) - संत्रास, कुंठा और असंतोष को ।
 - v) ख.)- संतोष का महत्त्व
2. अपठित गद्यांश 1x5=5
 - i) घ) - राष्ट्र को प्रगतिशील एवं स्वावलंबी बनाएँ ।
 - ii) क) - विदेशियों के सामने अपने राष्ट्र की बुराई न करके ।
 - iii) ग) - करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करके ।
 - iv) ख) - अवनति ।
 - v) ग) - भ्रष्ट+आचार ।
3. अपठित गद्यांश 1x5=5
 - i) घ) - विचारों का बल और शारीरिक बल ।
 - ii) ख) - तलवार से कलम की भाषा अधिक शक्तिशाली है ।
 - iii) ग) - जब लोगो के मन मे और विचारों में आग लगी हो ।
 - iv) क) - विष ।
 - v) ख) - कलम से वीरतापूर्ण विचारों का निर्माण होता है ।
4. अपठित गद्यांश 1x5=5
 - i) ख) - कायर ।
 - ii) क) - बदला लेना ।
 - iii) ग) - कायरतापूर्ण जीवन को ।
 - iv) क) - निराश होना ।
 - v) ख) - साहसी ।

खंड - 'ख'
(व्यवहारिक व्याकरण)

5. रचना के आधार पर वाक्य भेद - 1x3 = 3
क) मिश्र वाक्य ।
ख) जो विद्यार्थी प्रथम आएगा, उसे पुरस्कार दिया जाएगा ।
ग) हमने हर्षिता का पत्र पढ़ा और उसकी कुशलता का समाचार दिया ।
6. वाच्य 1x4 = 4
क) यह मकान दादाजी द्वारा बनवाया गया है ।
ख) उससे दौड़ा नहीं जाता ।
ग) अध्यापक ने विद्यार्थी को पढ़ाया ।
घ) राष्ट्रपति द्वारा इस भवन का उद्घाटन किया गया ।
7. पद- परिचय 1x4 = 4
क) अहा! - विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्ष सूचक ।
ख) उपवन में - जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिङ्ग, एकवचन, अधिकरण कारक ।
ग) सुन्दर - गुणवाचक विशेषण, पुल्लिङ्ग बहुवचन, फूल-विशेष्य ।
घ) खिले हैं - सकर्मक क्रिया, पुल्लिङ्ग, बहुवचन, वर्तमानकाल, कर्तृ वाच्य ।
8. रस 1x4 = 4
क) स्थायी भाव उत्पन्न होकर नष्ट नहीं होते, संचारी भाव पानी के बुलबुलों की भाँति बनते-मिटते रहते हैं । प्रत्येक रस का एक निश्चित स्थायी भाव होता है, पर एक संचारी भाव अनेक रसों के साथ रह सकता है ।
ख) रौद्र रस का स्थायी भाव क्रोध है ।
ग) वीभत्स रस ।
घ) वियोग श्रृंगार रस का उदहारण -
कहेउ राम वियोग तब सीता ।
मों कहँ सकल भय विपरीता ।
नूतन किसलय मनहुं कृसानु ।
काल निसा सम निसि, ससि, भानू ॥

खंड - 'ग'
(पाठ्य पुस्तक)

9. पठित गद्यांश

- क) प्राचीन नारियों ने अपने ज्ञान, तर्क और उपदेश द्वारा अपने ज्ञान की धाक जमाई थी । 1
- ख) लेखक ने व्यंग्य में स्त्रियों द्वारा पूजनीय पुरुषों को हराने को 'भयंकर बात' कहा है । उन्होंने इसे 'पापी पढ़ने का अपराध' कहकर उन पुरुषों पर चोट की है जो स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी हैं । 2
- ग) यह वाक्य अहंकारी पुरुषों पर व्यंग्य है । लेखक की दृष्टि में वे पुरुष अन्यायी हैं जो स्त्रियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ने देना चाहते । 2

10.

2x5 = 10

- क) जब लेखिका की बड़ी बहन की शादी हो गई तथा बड़े भाई पढाई के लिए कोलकाता चले गए तो उनके व्यक्तित्व का विकास होना शुरू हुआ । तब पिता ने उस पर ध्यान देना शुरू किया ।
- ख) बिस्मिल्ला खां ने संगीत की वर्णमाला का पहला अक्षर रसूलनबाई और बतूलनबाई नाम की दो गायिका बहनों के गीतों को सुनकर सीखा ।
- ग) लेखक के अनुसार वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' उसी व्यक्ति को कहा जा सकता है जो अपनी बुद्धि और विवेक द्वारा को किसी नवीन तथ्य का दर्शन करता है ।
- घ) अपनों का विश्वासघात मनुष्य को तोड़कर रख देता है । इससे मनुष्य बहुत शक्की, अहंकारी, क्रोधी और चिडचिडा हो जाता है । उसका व्यक्तित्व खंडित हो जाता है ।
- ङ) बिस्मिल्ला खां गंगा मैया, बाबा विश्वनाथ और बालाजी के मंदिर से गहरा लगाव रखते थे । बिस्मिल्ला खां ने इसी धरती पर शिक्षा ली, शहनाई सीखी और अदब पाई ।

11. पठित काव्यांश

- क) कवि ने यश, वैभव, मान आदि को भ्रमित करने वाली मृगतृष्णा के समान बताया है, क्योंकि मनुष्य यश-आदि के लिए भ्रमित होता है और कभी संतुष्ट नहीं होता है । 1

ख) मानव जीवन में सुख के बाद दुःख की काली छाया भी सामने खड़ी रहती है।
यहाँ चाँदनी रात मनुष्य के सुख का प्रतीक है तो काली रात दुःख का प्रतीक है।

2

ग) मनुष्य को यथार्थ से पलायन न कर यथार्थ का सामना करना चाहिए। जीवन में कठिनाइयाँ आती हैं इनसे विचलित हुए बिना उनका सामना करना चाहिए। 2

12.

2x5=10

- क) श्रीराम परशुराम के क्रोधी स्वभाव से परिचित थे और स्वयं भी विनम्रता के धनी थे। वे यह भी जानते थे कि विनम्रता से क्रोध शांत हो जाएगा।
- ख) पानी में झाँककर अपने सौन्दर्य से अभिभूत मत होना, वस्त्र और आभूषणों को बंधन मत बनने देना। मर्यादाओं का पालन करना परंतु निरी सहिष्णु बनकर मत रहना।
- ग) मुख्य गायक की गायिकी को सफल बनाने के लिए संगतकार द्वारा अपनी आवाज को ऊँचा न उठाना उसकी कमजोरी या असफलता नहीं मानना चाहिए।
- घ) हमारे यहाँ देवता, ब्राह्मण, ईश्वरभक्त तथा गौ पर शूरवीरता नहीं दिखाई जाती क्योंकि इन्हें मारने पर पाप लगता है और इनसे हारने पर बदनामी होती है।
- ङ) माँ बेटी को सीख देती है कि वह अपनी सुरक्षा पर आँच न आने दे। वह समझदारी से ऐसी स्थितियाँ बनाए कि कोई उस पर अन्याय और अत्याचार न कर सके।

13.

5

‘कटाओं’ को अपनी स्वच्छता और सुन्दरता के कारण हिन्दुस्तान का स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। यह सुंदरता आज इसलिए विद्यमान है क्योंकि यहाँ कोई दुकान आदि नहीं है, यहाँ का व्यवसायीकरण नहीं हुआ है। मनुष्य अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य का पालन न कर प्रयुक्त चीजों के अवशिष्ट को जहाँ-तहाँ फेंक सौन्दर्य को ठेस पहुंचाए बिना नहीं रहता है।

खंड-‘घ’
(लेखन)

14. निबंध लेखन 10
प्रस्तुति - 1
भाषा-शुद्धता - 2
वाक्य-विन्यास - 1
विषयवस्तु (संकेत बिंदुओं के आधार पर) - 4
समग्र प्रभाव - 2
15. पत्र-लेखन 5
प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1+1
विषयवस्तु - 2
भाषा शुद्धता - 2
16. सार लेखन 5
शीर्षक - 1
संक्षेपण (एक तिहाई शब्दों में) -2
भाषा शुद्धता- 2
